वजन घटाने का सस्ता उपाय पड़ सकता है महंगा

पृष्ठ 1 का शेष

आसानी से उपलब्ध होने और नियमों का सख्ती से पालन नहीं होने से यह चिंता और भी बढ़ जाती है। हालांकि यह दवा चिकित्सक के पर्चे पर ही मिलती है लेकिन चिकित्सकों ने आगाह किया कि मरीज बिना किसी उचित निगरानी के भी इसे हासिल करने के तरीके ढूंढ सकते हैं।

कोविल ने कहा, 'जब सामर्थ्य बढ़ती है तो पहुंच लक्षित रोगी समूह से इतर बढ़ जाती है जिससे दुरुपयोग का खतरा रहता है।' उन्होंने सख्त विनियमन की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि नुस्खों में चिकित्सीय संकेत स्पष्ट रूप से लिखे हों और खुराक का सख्ती से पालन किया जाए।

विशेषज्ञों ने आपूर्ति में गड़बड़ी के जोखिम को भी उजागर किया, जहां गैर-उपचारात्मक मांग में वृद्धि से उन रोगियों के लिए दवा की उपलब्धता सीमित हो सकती है जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। साथ ही ऑनलाइन गलत सूचनाओं के कारण अनुचित खुराक से पाचन संबंधी समस्याओं से लेकर पित्ताशय की बीमारी या मेटाबॉलिक संबंधी गड़बड़ी जैसी अधिक गंभीर स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

इस बीच, जेनेरिक दवाओं के आने से पूरे बाजार का व्यापक विस्तार होने की उम्मीद है। एक अन्य चिकित्सक सुखविंदर सिंह सग्गू ने कहा कि दवाओं के ज्यादा किफायती होने से पात्र मरीजों तक उनकी पहुंच बेहतर होगी और चिकित्सकों द्वारा लिखी जाने वाली पर्चियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भले ही कीमतों को लेकर होड़ कितना भी बढ़ जाए, उपचार से जुड़े फैसले हमेशा दवाओं के असर, सुरक्षा और मरीज की चिकित्सकीय जरूरत पर ही आधारित रहेंगे।

खानपान पोर्टफोलियो बेचने को नहीं कर रहे बातचीत : एचयूएल

शार्लीन डिसूज़ा और रॉयटर्स
मुंबई, 20 मार्च

हिन्दुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का कहना है कि वह अपने खानपान पोर्टफोलियो का विनिवेश करने के संबंध में किसी भी चर्चा में शामिल नहीं है। शेयर बाजार को दी गई सूचना में यह जानकारी दी गई है। यह बात ऐसे समय में सामने आई है, जब इसकी मूल कंपनी यूनिलीवर अपने खानपान कारोबार को छोटी प्रतिस्पर्धी मैककॉर्मिक ऐंड कंपनी को बेचने के लिए बातचीत कर रही है।

भारत में इसके खानपान कारोबार में ब्रूक बॉन्ड 3 रोजेज, ब्रूक बॉन्ड रेड लेबल, ब्रूक बॉन्ड ताजा, ब्रूक बॉन्ड ताजमहल जैसे ब्रांड शामिल हैं। इन ब्रांड के तहत कंपनी चाय पत्ती बेचती है। ब्रू इसका कॉफी ब्रांड है, लिप्टन भी इसका चाय ब्रांड है। ब्रूस्ट और हॉर्लिक्स दोनों इसकी पोषण श्रेणी के तहत आते हैं। मेयोनीज इसके हेलमैन्स और किसान इसके जैम और सॉस श्रेणी में आते है तथा नॉर पकाने के लिए तैयार खाद्य उत्पादों की श्रृंखला में शामिल है।

अपनी वेबसाइट पर एक सूचना में यूनिलीवर ने कहा, 'निदेशक मंडल का मानना है कि खानपान एक अत्यंत आकर्षक कारोबार है, जिसका बढ़ती श्रेणियों में बाजार के अग्रणी ब्रांडों द्वारा संचालित दमदार वित्तीय प्रोफाइल है और यूनिलीवर के हिस्से के रूप में खानपान कारोबार के भविष्य में विश्वास है।'

वेबसाइट पर सूचना में यह भी कहा गया, 'यूनिलीवर इस बात की पुष्टि करती है कि उसे अपने खानपान कारोबार के लिए एक अप्रत्याशित प्रस्ताव मिला है और वह मैककॉर्मिक ऐंड कंपनी, इंक के साथ बातचीत कर रही है। इसमें में कोई निश्चितता नहीं है कि किसी भी सौदे पर सहमति बन पाएगी।' यूनिलीवर पहले से ही अपने वैश्विक आइसक्रीम कारोबार को अलग करने की प्रक्रिया में है। इसे वह एकल आधार पर समर्पित कंपनी बनाने के लिए उठाया गया कदम बताती है।

भारत में आइसक्रीम कारोबार को अलग कर दिया गया था और अब इसे क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) के नाम से भारतीय शेयर बाजार पर अलग से सूचीबद्ध किया जा चुका है।

यूनिलीवर की निवेशक अवीवा के वैश्विक इक्विटी पोर्टफोलियो प्रबंधक रिचर्ड साल्डाना ने कहा, 'हमें लगता है कि यह बात समझदारी वाली है कि यूनिलीवर अपने खानपान कारोबार के विकल्पों पर विचार कर रही है।' उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट है कि कंपनी व्यक्तिगत देखभाल और सौंदर्य जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है, जहां अंतर्निहित श्रेणी और बिक्री वृद्धि अधिक आकर्षक है।'

यूनिलीवर के खानपान कारोबार ने साल 2025 में इसकी कुल बिक्री में लगभग एक-चौथाई हिस्सेदारी की, जिससे पिछले साल 12.9 अरब यूरो (14.91 अरब डॉलर) से अधिक का राजस्व उत्पन्न हुआ।

इस मामले से परिचित एक सूत्र के अनुसार मैककॉर्मिक का प्रस्ताव अवांछित था। दोनों कंपनियों ने कहा कि इस बात में कोई सुनिश्चितता नहीं है कि कोई सौदा तय हो ही जाएगा। उन्होंने कोई वित्तीय जानकारी भी नहीं दी।

यह बात ऐसे समय में सामने आई है, जब हिन्दुस्तान यूनिलीवर की मूल कंपनी यूनिलीवर अपने खानपान कारोबार को छोटी प्रतिस्पर्धी मैककॉर्मिक ऐंड कंपनी को बेचने के लिए बातचीत कर रही है

फ्लिपकार्ट के सीएफओ श्रीराम वेंकटरमण ने कंपनी को कहा अलविदा

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 20 मार्च

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को कहा कि फ्लिपकार्ट ग्रुप के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) श्रीराम वेंकटरमण अपना पद छोड़ रहे हैं। बदलाव की प्रक्रिया को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए वेंकटरमण कुछ समय तक अपने पद पर बने रहेंगे, जबकि फ्लिपकार्ट के सीएफओ रवि अय्यर पूरे फाइनैंस विभाग को देखेंगे।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, 'श्रीराम नेतृत्व टीम के महत्त्वपूर्ण सदस्य रहे हैं और उन्होंने वर्षों से हमारे वित्त संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। हम उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

वेंकटरमण ने कहा, 'फ्लिपकार्ट के सफर का हिस्सा बनना और इतनी काबिल टीम के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात रही है। हमने मिलकर जो कुछ भी बनाया है, उस पर मुझे गर्व है और मैं कंपनी के आने वाले वर्षों में भी लगातार सफल होने की कामना करता हूं।'

रवि अय्यर संभालेंगे अंतरिम जिम्मेदारी

फ्लिपकार्ट ने निशांत वर्मन को कॉरपोरेट डेवलपमेंट और पार्टनरशिप्स का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वर्मन 'बजार' नाम का एक क्रॉस-बॉर्डर एक्सपोर्ट प्लेटफॉर्म शुरू करने के बाद फ्लिपकार्ट में लौटे हैं। इससे पहले उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट की कॉरपोरेट डेवलपमेंट टीम में और मॉर्गन स्टैनली में टेक्नॉलजी इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के क्षेत्र में काम किया है।

वॉलमार्ट के मालिकाना हक वाली ई-कॉमर्स कंपनी अपने नेतृत्व और परिचालन को मजबूत कर रही है क्योंकि वह आईपीओ की तैयारी कर रही है। हाल की नियुक्तियों में जेसन चैपल को वाइस-प्रेसिडेंट और ग्रुप कंट्रोलर, आमिर हुसैन को ग्रोसरी और फ्लिपकार्ट मिनट्स के लिए सप्लाई चेन का वाइस-प्रेसिडेंट, जेन ड्यूक को चीफ एथिक्स और कंप्लायंस ऑफिसर और विपिन कपूरिया और योगिता शानबाग को सीनियर पदों पर नियुक्त किया गया है। मेटा के पूर्व अधिकारी डैन नियरी दिसंबर में फ्लिपकार्ट के बोर्ड में शामिल हुए।

अनिल अंबानी से दूसरे दिन भी हुई पूछताछ

सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर शुक्रवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और अनिल अंबानी के खिलाफ दर्ज 2,929 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले के संबंध में उद्योगपति से छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगातार दूसरे दिन, अनिल अंबानी सुबह करीब 10 बजे एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे और शाम करीब 5.15 बजे कार्यालय से रवाना हुए। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने बैंक द्वारा कंपनी को जारी की गई ऋण निधि में धन के कथित हेरफेर, गबन और अन्य अनियमितताओं के संबंध में पूछताछ की और कई दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी मांगी। *भाषा*

अग्रवाल ने खनन की कमियों को किया उजागर

भारत आयात पर बढ़ती निर्भरता और प्राकृतिक संसाधनों के लिए बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है। ऐसे में वेदांत ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत के खनन क्षेत्र में मौजूद गंभीर कमियों को आज उजागर किया। उन्होंने नीलाम खनिज ब्लॉकों को जल्द से जल्द चालू करने के लिए तुरंत सुधारों की मांग की।

लिंक्डइन की एक पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि पिछले एक दशक में नीलाम किए गए लगभग 85 प्रतिशत खनिज ब्लॉक देश में अब भी चालू नहीं हो पाए हैं। नीलामी वाले इन 592 खंडों में से केवल 82 में ही उत्पादन शुरू हो सका है। उन्होंने इस स्थिति को खनिजों के मामले में भारत की आत्मनिर्भरता में बड़ी रुकावट बताया। यह पोस्ट इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत के आयात बिल में खनिज, धातु और हाइड्रोकार्बन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का बहुत बड़ा हिस्सा है। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'हमारे कुल 400 अरब डॉलर के आयात बिल में से लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी जमीन के नीचे से निकलने वाले संसाधनों की है। इससे दूसरे देशों में रोजगार पैदा होते हैं। ये रोजगार हमें यहीं पैदा करने चाहिए।' *बीएस*

टाटा स्टील ने लुधियाना में चालू की इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस

ईशिता आयान दत्त
कोलकाता, 20 मार्च

टाटा स्टील ने शुक्रवार को पंजाब के लुधियाना में 3,200 करोड़ रुपये की लागत से स्क्रैप आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) का परिचालन शुरू किया। इसकी क्षमता 7.5 लाख टन सालाना है। यह पर्यावरण के अनुकूल इस्पात उत्पादन की दिशा में यह कंपनी की बड़ी उपलब्धि है।

यह कंपनी का पहला स्क्रैप-आधारित ईएएफ है जिसे प्रति टन स्टील पर 0.3 टन से कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के लिए डिजाइन किया गया है। यह करीब 50 फीसदी अक्षय ऊर्जा पर चलेगा। इसमें कच्चे माल के रूप में 100 फीसदी स्टील स्क्रैप का उपयोग होगा, जिसमें से लगभग 40 फीसदी हरियाणा के रोहतक स्थित कंपनी के रिसाइक्लिंग संयंत्र से ली जाएगी।

उद्घाटन समारोह में पंजाब के मुख्यमंत्री एस भगवंत सिंह मान और टाटा स्टील के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के साथ-साथ टाटा स्टील के सीईओ व प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण उपलब्धि और ऐतिहासिक अवसर बताते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि समूह के पास अपनी सभी कंपनियों में सस्टेबिलिटी के लिए व्यापक कार्यक्रम है। हमारा लक्ष्य 2045 तक सभी कंपनियों में कार्बन उत्सर्जन खत्म करना है और जिस कंपनी के सामने शायद सबसे कठिन चुनौती है, वह है टाटा स्टील।

उन्होंने कहा, टाटा स्टील में आज हमारी इस्पात उत्पादन क्षमता 3.5 करोड़ टन है। इसमें से 2.5 करोड़ टन भारत में है और बाकी 1 करोड़ टन यूरोप और ब्रिटेन में है। चंद्रशेखरन ने बताया कि ब्रिटेन में 30 लाख टन इस्पात को हरित इस्पात में परिवर्तित किया जा रहा है। यूरोप में अगले 10 वर्षों में 70 लाख टन क्षमता को हरित इस्पात में परिवर्तित करने के प्रयास जारी हैं।

टाटा स्टील के चेयरमैन ने बताया, भारत में यह बहुत मुश्किल होने वाला है क्योंकि हम अपनी उत्पादन क्षमता भी बढ़ा रहे हैं।

कर्मियों को 105% बोनस का ऐलान

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फ्लिपकार्ट ने कारोबार में आई मजबूती को देखते हुए अपने कर्मचारियों को वर्ष 2025 के लिए 105 प्रतिशत बोनस देने की घोषणा की है। कंपनी के आंतरिक ईमेल के अनुसार वरिष्ठ निदेशक और उससे नीचे के पदों पर कार्यरत पात्र कर्मचारियों को बोनस की यह राशि मार्च में ही दे दी जाएगी। हालांकि, उपाध्यक्ष और वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्तर के अधिकारियों को यह भुगतान उनकी प्रदर्शन समीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद किया जाएगा।

कंपनी की मानव संसाधन प्रमुख सीमा नायर ने ईमेल में कहा, 'बोनस देने का हमारा यह सालाना पैमाना दिखाता है कि हमने कारोबार और मुनाफे की दिशा में कितनी तरक्की की है। हमने विकास की रफ्तार को बनाए रखते हुए मुनाफे की ओर बढ़ने में बड़ी सफलता पाई है।' नायर ने यह भी कहा कि वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली इस कंपनी ने अपने मुख्य कारोबारी क्षेत्रों को मजबूत करने और विकास के नए रास्तों को बढ़ाने में सफलता पाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी स्तरों पर कर्मचारियों की कड़ी मेहनत को सम्मान देने के लिए 105 प्रतिशत बोनस घोषित किया गया है। इस मामले पर फ्लिपकार्ट की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। *भाषा*

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स 1 अप्रैल से यात्री वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी : टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने शुक्रवार को कहा कि वह 1 अप्रैल से अपने पेट्रोल-डीजल से चलने वाले यात्री वाहनों के पूरे पोर्टफोलियो में कीमतों में औसतन 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने कहा कि कीमतों में इस बदलाव का मकसद उत्पादन लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी की कुछ हद तक भरपाई करना है। *बीएस*

IDBI BANK आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
www.idbibank.in; सीआइएन: L65190MH2004GOI148838

आईडीबीआई बैंक, चांदनी चौक शाखा के स्थानांतरण हेतु सार्वजनिक सूचना

हमें आम जनता और विशेष रूप से अपने ग्राहकों को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारी चांदनी चौक शाखा 30 मार्च, 2026 से निम्नलिखित पते पर स्थानांतरित की जा रही है।

वर्तमान पता	नया पता
208, भूतल, कोरोनेशन बिल्डिंग, फतेहपुरी, पीएनबी के पास, चांदनी चौक, दिल्ली–110006	प्रॉपर्टी नंबर–625–626, चांदनी चौक, वार्ड नंबर–VI, दिल्ली–110006

हम आपके विश्वास और भरोसे को बहुत महत्व देते हैं, और हमारे बैंक के प्रति आपकी निष्ठा की तहे दिल से सराहना करते हैं।

स्थान: दिल्ली **चांदनी चौक शाखा**
दिनांक: 21.03.2026 **शाखा प्रमुख**

PHDCCI
पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN): U74899DL1951NPL001947
पंजीकृत कार्यालय: पीएचडी हाउस 4/2 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया
अगस्त क्रांति मार्ग नई दिल्ली–110016
फोन नंबर: 91–11–49545454
वेबसाइट: www.phdcci.in ईमेल आईडी: managingcommittee@phdcci.in

असाधारण सामान्य बैठक ("ईजीएम") की सूचना तथा ईमेल का अपडेशन

यह नोटिस देकर सूचित किया जाता है कि पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (चैंबर/PHDCCI) की असाधारण सामान्य बैठक **("ईजीएम")** गुरुवार, 9 अप्रैल, **2026 को शाम 4:30 बजे (भारतीय मानक समय)** पंजीकृत कार्यालय **पीएचडी हाउस, 4/2 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली–110016** में हाइब्रिड मोड (अर्थात, दोनों फिजिकल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) / अन्य ऑडियो–विजुअल माध्यम (ओएवीएम)) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। यह बैठक कंपनी अधिनियम, 2013 **("अधिनियम")** के लागू प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुपालन में और कारपोरेट कार्य मंत्रालय **("एमसीए")** द्वारा जारी सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल 2020, 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल 2020, 20/2020 दिनांक 5 मई 2020, 11/2022 दिनांक 28 दिसंबर 2022, 09/2023 दिनांक 25 सितम्बर 2023, 9/2024 दिनांक 19 सितम्बर 2024 और 03/2025 दिनांक 22 सितंबर 2025 (जिन्हें सामूहिक रूप से "एमसीए परिपत्र" कहा जाता है) जिसमें इस ईजीएम सूचना में दर्शाये गए विषयों को संचालित किया जाएगा।

चैंबर ने सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (**सीडीएसएल**) को दूरस्थ ई–वोटिंग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली **("ई–वोटिंग")** की सुविधा प्रदान करने के लिए नियुक्त किया गया है। सदस्य उसे www.evotingindia.com पर शेयरहोल्डर/सदस्य लॉगिन के तहत दूरस्थ ई–वोटिंग क्रेडेंशियल का उपयोग करके पहुंच सकते हैं। रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से वोट डालने और ईजीएम में ई–वोटिंग के लिए विस्तृत निर्देश ईजीएम नोटिस में दिए जाएंगे।

एमसीए सर्कुलरों के अनुसार, ईजीएम की सूचना केवल उन सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से भेजी जाएगी जिनके ईमेल आईडी चैंबर के साथ पंजीकृत हैं। ईजीएम की सूचना चैंबर की वेबसाइट www.phdcci.in और सीडीएसएल की वेबसाइट www.evotingindia.com पर भी उपलब्ध होगी।

सदस्य हाइब्रिड मोड के माध्यम से ईजीएम में उपस्थित हो सकते हैं और भाग ले सकते हैं। ईजीएम में उपस्थित होने और भाग लेने के निर्देश ईजीएम के नोटिस में प्रदान किए जाएंगे। हाइब्रिड मोड में उपलब्ध विकल्प (अर्थात, भौतिक या इलेक्ट्रॉनिक) माध्यम से ईजीएम में उपस्थित होने वाले सदस्य को अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम की मान्यता दी जाएगी। किसी भी सदस्य की उपस्थिति, दोनों माध्यमों से होने पर, केवल एक बार ही गिनी जाएगी।

ईमेल पते को पंजीकृत/अपडेट करने का तरीका:

वे सदस्य जिन्होंने चैंबर के साथ अपने ईमेल को पंजीकृत/अपडेट नहीं किया है, कृपया अपने ईमेल पतों और मोबाइल नंबरों को चैंबर में पंजीकृत/अपडेट करवाने के लिए डॉ. रंजीत सिंह मेहता, सी.ई.ओ एवं महासचिव, PHDCCI, sg@phdcci.in पर तथा/अथवा श्रीमती सुनीता रावत, कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी, PHDCCI को managingcommittee@phdcci.in ईमेल भेजकर या 011–49545454 पर अपने ईमेल पतों और मोबाइल नंबरों को पंजीकृत/अपडेट करने के लिए अनुरोध किया जा सकता है।

PHDCCI की प्रबंधन कमिटी के आदेशानुसार
कृते पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
हस्ता/–
स्थान: दिल्ली **(डॉ. रंजीत सिंह मेहता)**
तारीख: 21 मार्च 2026 **सी.ई.ओ एवं महासचिव**

HINDUJA HOUSING FINANCE
हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस
कॉर्पोरेट कार्यालय: नंबर 167-169, दूसरी मंजिल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015
शाखा कार्यालय: एफ8, प्रथम तल, महालक्ष्मी मेट्रो टॉवर, सेक्टर 4, वैशाली, गाजियाबाद, 201019
ईमेल: auction@hindujahousingfinance.com

आरआरएम – अमित कौशिक • एएलएम – अरुण मोहन शर्मा
सीएलएम – ध्रुव वशिष्ठ – 88029 67651

सांकेतिक कब्जे की सूचना

जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 की संख्या 3) के तहत **हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करने के लिए कहते हुए कर्जदार (इसके बाद कर्जदार और गारंटरों को सामूहिक रूप से 'कर्जदार' के रूप में संदर्भित) को प्रत्येक खाते के सामने उल्लिखित तिथियों पर एक मांग सूचना जारी की थी।

कर्जदारों द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, विशेष रूप से कर्जदारों और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 4 के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर प्रत्येक खाते के सम्मुख उल्लिखित तिथियों पर कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार/गारंटर और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति के साथ लेनदेन न करें और संपत्ति के साथ कोई भी लेनदेन राशि तथा उस पर होने वाले आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि सहित उपरोक्त राशि पर संविदात्मक दर पर भावी ब्याज के लिए **हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा।

प्रतिभूत आस्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय–सीमा के सम्बन्ध में कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	लैन नं./कर्जदारों/गारंटरों का नाम तथा पता	मांग सूचना की तिथि / कब्जे की तिथि	बकाया राशि
1.	**DL/KNR/RANJ/A000000047,** श्री हरिमोहन गोयल, श्री पायल गोयल, श्याम कुंज कृष्णा नगर गली नंबर 2 मोदी नगर गाजियाबाद 201204, ग्रामीण, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश, भारत – 201204	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 810097/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: जमीन का एक टुकड़ा, क्षेत्रफल 254 वर्ग गज, खसरा संख्या 115 मिन का हिस्सा, जो ग्राम सिकरी खुर्द, परगना जलालाबाद, तहसील मोदी नगर, मोहल्ला कृष्णा नगर, गली संख्या 2, मोदी नगर, उ.प्र. में स्थित है;		
2.	**DL/MNR/NANR/A000000249,** श्री पंकज शर्मा, श्रीमती अंशिका शर्मा, गली नंबर 2 गंगा विहार, 02, जलालपुर रोड गंगा विहार कॉलोनी मुरादनगर 201206, मेट्रो, मुरादनगर, उत्तर प्रदेश, भारत – 201206	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 2614571/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: जमीन पर स्थित एक प्लॉट, क्षेत्रफल 69 वर्ग गज (यानी 57.69 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 204 का हिस्सा, जो ग्राम उखलारसी मारूफ, मोहल्ला गंगा विहार कॉलोनी, मुराद नगर; परगना जलालाबाद, तहसील मोदी नगर; जिला गाजियाबाद, उ.प्र. में स्थित है।		
3.	**DL/NCU/GHAU/A000002709,** श्री विशाल विशाल, श्री कैलाश कैलाश, बुदाना बेगमाबाद मोदीनगर, गाजियाबाद, बुदाना बेगमाबाद मोदीनगर, मेट्रो, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश, भारत – 201204	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 1662003/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: आवासीय मकान संख्या–110, क्षेत्रफल 90 वर्ग गज यानी 75.249 वर्ग मीटर, कुल कवर्ड एरिया–94.479 वर्ग मीटर, जो ग्राम बेगमाबाद बुडाना (बाहर) की आबादी के अंतर्गत स्थित है, तहसील–मोदीनगर, जिला–गाजियाबाद (उ.प्र.)।		
4.	**DL/NCU/GHAU/A000003093,** श्री दीपक यादव, श्री कुलदीप कुलदीप, मकान नंबर 470 हरसांव, 00, मेट्रो, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 201001	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 954280/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: आवासीय फ्रीहोल्ड प्लॉट, क्षेत्रफल–177.50 वर्ग गज यानी 148.50 वर्ग मीटर, खसरा संख्या–328/1 के अंतर्गत, जो ग्राम हरसांव, परगना–दासना, तहसील एवं जिला–गाजियाबाद (उ.प्र.) में स्थित है।		
5.	**DL/SHL/LJPT/A000000104,** श्री अरशद फखरुद्दीन, श्रीमती मोमिना खातून, 783 बंबा रोड, आदर्श कॉलोनी मुराद नगर गाजियाबाद, मेट्रो, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 201206	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 1516514/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: संपत्ति का क्षेत्रफल 166 वर्ग गज, खसरा संख्या 102 मिन का हिस्सा, जो ग्राम उखलारसी कॉलोनी (आदर्श कॉलोनी), मुराद नगर, तहसील मोदी नगर और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है;		
6.	**GZ/GNR/GNRN/A000000101,** श्री सुभाष चंद, श्रीमती बबीता बबीता, 106 इंदरगढ़ी डासना गाजियाबाद–201302, मेट्रो, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 201302	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 448397/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 36 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 264 के अंतर्गत आता है, और इंदरगढ़ी मजरा डासना, परगना डासना, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उ.प्र. में स्थित है।		
7.	**GZ/MNR/MNIR/A000000125,** श्री प्रमोद गोस्वामी, श्रीमती मधु गोस्वामी, सीकरी खुर्द गाज़ियाबाद, 0, गाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश, सीकरी फाटक, मेट्रो, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश, भारत – 201204	09-01-2026 / 19-03-2026 सांकेतिक	रु. 952320/– तथा उस पर ब्याज
	संपत्ति का विवरण: 175 वर्ग गज (यानी 146.32 वर्ग मीटर) जमीन के क्षेत्रफल वाला एक मकान, जो खसरा संख्या 663 का हिस्सा है और ग्राम सिकरी खुर्द, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद, उ.प्र. में 'आबादी' क्षेत्र के अंतर्गत स्थित है।		

तिथि : 23.03.2026 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : गाजियाबाद **हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**

सवाल जवाब

रेजरपे के आईपीओ में अभी कुछ तिमाही का वक्त

फिनटेक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रेजरपे आने वाली तिमाहियों में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। अलबत्ता पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से जुड़ी भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण इसकी समयसीमा बताना मुश्किल है। सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक शशांक कुमार ने बेंगलूरु में पीरजादा अबरार को बातचीत में बताया कि एजेंटिक भुगतान व्यापारियों के लिए क्या मायने रखता है, नियामक इस पर किस तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आईपीओ में अभी कुछ तिमाही का समय क्यों बाकी है। संपादित अंश ...

रेजरपे अपने एजेंट स्टूडियो को भुगतान प्रक्रिया से आगे भुगतान प्रबंधन की दिशा में बदलाव के रूप में रख रही है। वित्तीय कार्यों के संबंध में अपने आप काम करने वाली एजेंटिक एआई जवाबदेही के सवाल खड़े करती है। एआई का अधिकार कहां तक है और अगर कोई एजेंट गलत निर्णय लेता है, तो आप जवाबदेही के बारे में क्या सोचते हैं?

प्रणाली को कुछ हद तक गलतियों को मानना चाहिए ताकि आप उनसे सीख सकें और उन्हें सुधार सकें। विवादों के प्रबंधन की बात करें, तो अगर आप 10 लाख विवादों पर काम कर रहे हैं, तो हो सकता है कि उनमें से कुछ में आप गलत प्रदर्शन कर दें। कई मामलों में अगर हमारी प्रणाली गलत हो जाती है, तो हम जिम्मेदारी लेते हैं। हम इसी तरह काम करते हैं और समय के साथ त्रुटि दर को लगातार कम करते रहते हैं। इनसान की निगरानी हमेशा रहती है। जब तक आपको पूरा भरोसा न हो जाए, तब तक आप इनसानी निगरानी बनाए रखते हैं। एक बार जब आपको इस बात का पूरा भरोसा हो जाता है कि सब कुछ ठीक चल रहा है, तब आप इनसानी निगरानी कम कर देते हैं। विवादों के प्रबंधन में भी यही बात लागू होती है। पहले यह काफी परिचालन प्रक्रिया थी। अब इसे एजेंट संभालते हैं। आपके पास एक अन्य प्रणाली होगी जो इसकी निगरानी करेगी और समस्याओं को बताएगी। इनसान इन मामलों की समीक्षा करेंगे और एजेंटों में सुधार करेंगे।

एजेंट मार्केटप्लेस एक दिलचस्प संरचनात्मक दांव है। रेजरपे एजेंट स्टूडियो से किस तरह कमाई करती है और क्या इससे मुख्य भुगतान कारोबार का इकाई अर्थशास्त्र में कोई बदलाव आता है?

मूल्य निर्धारण टोकनाइजेशन पर आधारित है। छोटे कार्यों के लिए यह लगभग मुफ्त है। अधिक जटिल कार्यों के लिए खर्च किए जा रहे टोकन या उपयोग की जा रही इंटेलिजेंस के अनुरूप मूल्य तय होगा। एजेंट स्टूडियो के साथ हम कई एजेंट बनाएंगे और पेश करेंगे। लेकिन हम यह भी उम्मीद करते हैं कि अन्य लोग भी स्टूडियो पर एजेंट तैयार और पेश करें, जिनका उपयोग हम आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे लगता है कि यह (एजेंट स्टूडियो) हमारी वृद्धि के भविष्य के इंजनों में से एक होगा।

भारत की एसएमबी (छोटे, मझोले कारोबार) श्रेणी ऐतिहासिक रूप से जटिल फिनटेक टूल्स को अपनाने में धीमी रही है। क्या वे एजेंटिक भुगतान के लिए तैयार हैं या यह फिलहाल केवल कुछ हजार डिजिटल रूप से जानकार व्यापारियों के लिए साधन है?

मुझे लगता है कि अभी इसमें वक्त लेगा कि आगे क्या होता है। लेकिन सही ढांचे के साथ एसएमई को इसका इस्तेमाल करने में ज्यादा फायदा होना चाहिए। आज अगर मुझे किसी चीज की जरूरत होती है, तो मैं उसे सर्च करता हूं लेकिन कल शायद ऐसा हो कि मैं किसी एआई एजेंट से कहूं कि वह मेरे लिए उत्तम साधन खोजे। एजेंट पारंपरिक सर्च के मुकाबले सर्च करने का काम कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से कर सकता है। एसएमई के बड़े वर्ग को इससे निश्चित रूप से फायदा होगा।

क्या साल 2026 या 2027 तक आईपीओ की उम्मीद की जा सकती है?

मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव पैदा कर दिया है। इसी वजह से अभी कोई पक्की समय-सीमा बताना मुश्किल है। अब भी कुछ कदम बाकी हैं, जैसे आईपीओ का विवरण (डीआरएचपी) जमा करना और सेबी से बातचीत करना। आप काफी ज्यादा अस्थिर माहौल में शेयर बाजार पर सूचीबद्ध होना नहीं चाहेंगे। इसमें अब भी कुछ और तिमाहियां लगेंगी।

दिल्ली संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा नीतेंद्र कुमार श्रीवास्तव, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210-211, सेक्टर-63 नोएडा-201301 उ.प्र. और पृथ्वीस दास, डी.बी. कॉर्प लिमिटेड 10, जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302015 से मुद्रित एवं नेहरू हाउस, 4, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल, पीआरजीआई रजिस्ट्रेशन नं. DELHIN/2008/27804 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 011-23720202/23762742
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं